• Introducing Lachit, our very own Superhero
• दादी मां के नुस्खे
• Best out of waste
• And much more inside..
चैत्र २०७९
April 2022

# प्रार्थना

अन्न, वायु, जल, जीवन दाता,
प्रभु तू विद्या बल दे।
भारत का हम मान बढ़ाए,
ऐसी शक्ति अचल दे ।।

Ann, Vayu, Jal, Jeevan Daata
Prabhu tu Vidya Bal de
Bharat ka hum maan badhaye
Aisi Shakti achal de

# EDITOR'S NOTE

**राम राम बच्चो,**

**"Yahvi" is a Sanskrit word meaning "Heaven meets Earth".**

**होली अभी अभी गई है, रंग और पानी से खूब खेले होंगे।**

**This issue of Yahvi brings you another Panchtantra ki kahani and a brand new episode of our Superhero series "Jambudweep".**

**There are lots of useful articles within.**

**Enjoy reading and sharing with your friends !!**

**Your Editor**
**Kirti Goenka**

# INDEX


**रौचक तथ्य........................................................................**
**Page No**



**सच्चे मित्र........................................................................**
**Page No**



**राम मंत्र........................................................................**
**Page No**



**Best out of Waste..........................................................**
**Page No**



**Dadi Maa Ke Nuskhe.....................................................**
**Page No**



**भारतीय परम्परा नमस्ते...................................................**
**Page No**



**हमारे पर्व........................................................................**
**Page No**



**Law: IPC 268..................................................................**
**Page No**



**Jambudweep...................................................................**
**Page No**



**Devbhasha......................................................................**
**Page No**

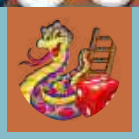

# रोचक तथ्य

- The game of Snakes & Ladders was created by the 13th century poet saint Gyandev. It was originally called 'Mokshapat'. The ladders in the game represented virtues and the snakes indicated vices. The game was played with cowrie shells and dices. In time, the game underwent several modifications, but its meaning remained the same, i.e. good deeds take people to heaven and evil to a cycle of re-births.

- If you sob out of happiness, the first tear will come from the right eye, but if you cry out of sorrow, it will come from the left.

# रोचक तथ्य

- **Smart people tend to have fewer mates than the average person. The smarter the individual, the more selective they become.**

- **The 'Place Value System' and the 'Decimal System' were developed in Bharat in 100 B.C.**

- **सुबह के समय हम शाम के मुकाबले 1 इंच ज्यादा लम्बे होते है,**

- **हमारा बांया पांव हमारे दांये पांव से बडा होता हैं...**

# सच्चे मित्र

एक जंगल में एक कबूतर , चूहा और एक हिरण तीनों घनिष्ठ मित्र रहा करते थे। जंगल में बने सरोवर में पानी पीते फल खाते और वही सरोवर के आसपास घुमा फिरा करते थे।

एक समय की बात है

जंगल में एक शिकारी , शिकार करने आया उसने हिरण को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

काफी प्रयत्न और मेहनत से शिकारी ने जाल को छिपाकर लगाने सफलता पा ली। शिकारी के जाल में  हिरण आसानी से फंस गया। इस पर कबूतर ने कहा घबराओ मत मित्र मैं देखता हूं शिकारी कहां है और कितनी दूर है मैं। मैं उसको रोकता हूं जब तक हमारा मित्र चूहा तुम्हारे जाल को कुतर देगा और तुम जल्दी से निकल जाओगे। यही हुआ कबूतर ने शिकारी को ढूंढना शुरू किया।

वह दूर था कबूतर ने अपने प्राण को जोखिम में डालकर शिकारी के ऊपर वार करना शुरू कर दिया। कबूतर के प्रहार से  शिकारी को कुछ समझ में नहीं आया और वह परेशान होकर बचने लगा मगर कबूतर शिकारी को ज्यादा देर तक रोक नहीं पाया।

इस आक्रमण से  शिकारी घबरा गया।
थोड़ा सा समय उन कबूतर पर काबू पाने में लगा। इतने मे चूहे ने निडर भाव से जाल को कुतर दिया जिससे हिरण आजाद हो गया। अब क्या था हिरण और चूहा अपने अपने रास्ते भाग चलें। कुछ दूर भागे होंगे उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनका मित्र कबूतर शिकारी के चंगुल में आ गया था।

हिरण ने सोचा उसने मेरी जान बचाने के लिए अपनी जान खतरे में डाल दी।

इस पर हिरण धीरे – धीरे लंगड़ाकर चलने लगा शिकारी को ऐसा लगा कि हिरण घायल है  उसके पैर में चोट लगी है इसलिए वह धीरे धीरे चल रहा है , वह भाग नहीं सकता।

शिकारी ने झट से कबूतर को छोड़ दिया और हिरण की तरफ दौड़ा।

शिकारी को आता देख  कबूतर उड़ कर आकाश में चल पड़ा हिरण जो अभी नकल कर रहा था वह भी तेज दौड़ कर भाग गया और चूहा दौड़ कर बिल में घुस गया।

इस प्रकार तीनों दोस्तों की सूझबूझ ने एक दूसरे की रक्षा की।

नैतिक शिक्षा –
आपसी सूझबुझ और समझदारी हो तो किसी भी मुसीबत का सामना किया जा सकता है।

# राम मंत्र

Saying “Ram Ram” is equivalent to chanting a mantra 108 times.
The word “Ram” is written as राम, i.e., (र+आ+म). र is at the 27th, आ is at the 2nd, and म is at the 25th position. If we add them up, the value comes to 27+2+25=54. When we say Ram twice, the value totals 108 .

Ram is the bija mantra of the manipura (navel or solar plexus) chakra.

The manipura chakra boosts self-confidence, reduces anxiety and controls negative impulses. Manipura is associated with transformational power and inner strength, both of which are unleashed when anyone chants Ram naam. Manipura Chakra is located at the navel. Therefore, chanting the name Ram helps with digestive disorders too.

- Chanting Ram Naam removes our destructive energy.
- It brings peace of mind and helps to overcome anxiety and Depression.
- It can improve decision-making abilities and boost creativity.
- Chanting Ram Naam enables us to overcome anger problems.
- Chanting the name Ram reduces the sins of an individual.

# राम मंत्र

**An important benefit of chanting Ram Naam is that it will show us the right path to take in our life journey. It will create feelings of compassion, faith, and trust so that we will become better human beings.**

**Bhagwan Hanuman one of Rama's greatest devotees, said that he got his great strength by chanting Ram Naam.**

**Use Ram Ram as greetings instead of Hi /hello – and feel the magical power of Ram Ram mantra.**

**By Kirti**

# Flower Pot

**Materials Required**

- **Earthen pot of any size**
- **Water Color**
- **Paint Brush**
- **Flower and grass of your choice**

**Steps to Follow:**

**1. First take an earthen pot of any size available at your home and wash it.**

**2. Choose the colour of your choice and paint the pot with the help of a paintbrush and let it dry properly.**

**3. Now draw colourful images on the pot. Set it aside to dry.**

**4. Now ask your mother to put soil and plant in the beautiful pot made by you. 😊**

**Best Out Of Waste isn't it!**

# दादी मां के नुस्खे

आठ वर्ष की आद्या खुशी से झूम रही थी क्योंकि उसे दस दिन का अवकाश मिला था और वह अपनी नानी के घर,करीब आठ महीने के एहतियातन लाकडाउन के बाद जा रही थी। उसकी मां ने पूरे एहतियात से यात्रा तय की थी। उसकी मां ने कोविड 19 के प्रोटोकाल को ध्यान में रखते हुए, पूरी बारीकी के साथ आद्या को, यात्रा करते समय, मास्क पहनने की अहमियत, सामाजिक दूरी, सतहों को नहीं छूने, सैनीटाइज़र का प्रयोग इत्यादि के विषय में जान कारी दी।

परन्तु, दुर्भाग्य से एयर कंडीशन वाला विमान था। मौसम के परिवर्तन होने पर, घर पहुंचते ही वह छींकने और खांसने लगी थी। उसके माता – पिता को यह अहसास हुआ कि उसे किसी तरह का संक्रमण हुआ है। लेकिन उसकी बुद्धिमान नानी ने उसके भय को दूर करते हुए कहा कि कोविड वाइरस इतनी जल्दी और कम समय में असर नहीं दिखाता। उन्होने उसे गर्म पानी में अजवाइन और हल्दी डालकर भाप दिलाया और फिर गर्म पानी से नहला कर, लहसुन तथा काली मिर्च डालकर रसम पिलाया।

आद्या को तुरंत ही आराम मिला और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगी।आद्या की नानी ने उसके माता– पिता को भी आद्या की तरह ही भाप दिलाया,गर्म पानी से नहाने को कहा तथा मसालेदार रसम पिलाया जब कि उनमें कोई लक्षण नहीं थे।

जब आद्या ने नानी से आश्चर्य से पूछा कि उसके माता– पिता को बिना लक्षण क्यों वही सब विधियां प्रयोग करने के लिए कही गई जो कि उसे करने के लिए कही गई, तब नानी ने मुस्कुराते हुए उस समझाया कि ये पुरानी प्रथाएं हमारी रोग प्रति रोधक क्षमताएं बढ़ातीं हैं और आम बीमारियां जैसे – सर्दी– खांसी, जुखाम को दूर करतीं हैं।उसकी 9 साल की चचेरी बहन "निधि" और 6 साल का चचेरा भाई "ऋषि" आद्या से मिलने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे लेकिन आद्या के पिता ने उन्हें अपने निकट आने से मना कर दिया।

आद्या और उसके माता-पिता, एकांत वास में 48 घंटों तक रहना चाहते थे । इस कारण वश उसके चचेरे भाई-बहन अनिच्छा से अपने कमरे में चले गए। दूसरे दिन सुबह जब आद्या पुस्तक पढ़ रही थी तब उसने अपने छोटे चचेरे भाई ऋषि की ज़ोरदार चीख सुनी।तभी उनके कमरे के कोने से उसकी मां आई और मालूम हुआ कि उसका हाथ पेंसिल छीलते समय कट गया। तूरंत ही ऋषि की मां ने बहुत सारा हल्दी का चूर्ण उसके ज़ख्म पर लगाया जिससे उसका ख़ून बहना बंद हो जाए।

हाल ही में विज्ञान ने कई सालों के बाद शोध करके पुष्टि की है कि हल्दी में बहुत सारे औषधीय गुण होते हैं जो सूजन रोधी पूर्ण रूप से आक्सीकरण रोधी होते हैं जिससे कि हम भारतीय पहले से ही भिज्ञ थे।

**आगे ज़ारी . . . . .**

***- By Jyotsana***

# नमस्ते

'नमस्ते' या 'नमस्कार' मुख्यतः हिन्दुओं और भारतीयों द्वारा एक दूसरे से मिलने पर अभिवादन और विनम्रता प्रदर्शित करने हेतु प्रयुक्त शब्द है। इस भाव का अर्थ है कि सभी मनुष्यों के हृदय में एक दैवीय चेतना और प्रकाश है, जिसमे अनाहत चक्र (हृदय चक्र) में स्थित है।
यह शब्द, संस्कृत के 'नमस' शब्द से निकला है।
इस भावमुद्रा का अर्थ है - एक आत्मा का दूसरी आत्मा से आभार प्रकट करना।
'नमस्ते' के अतिरिक्त 'नमस्कार' और 'प्रणाम' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

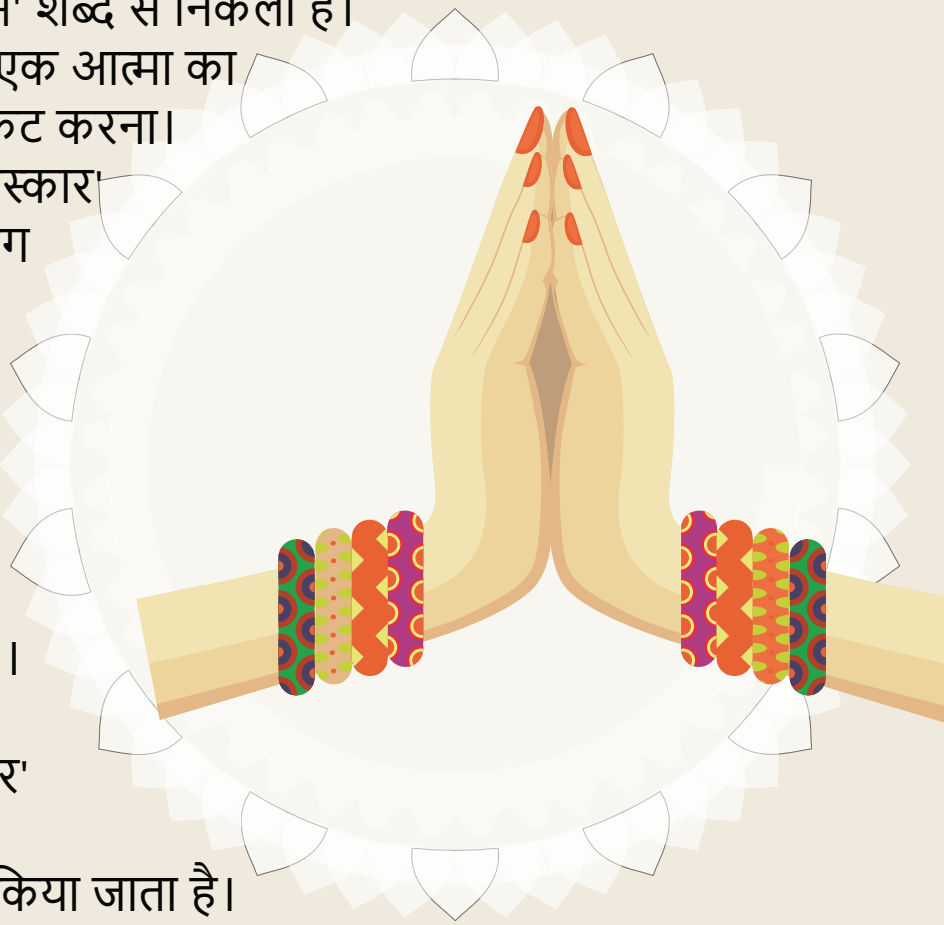

कौन सा अभिवादन उचित है??
नमस्ते या नमस्कार
नमस्ते "न" का अर्थ "मैं" और अस्ते का अर्थ है - "आपका सम्मान करता हूँ"। अर्थात , मैं आपका सम्मान करता हूँ। 'नमस्कार' शब्द का प्रयोग जड़ (निर्जीव) वस्तुओं के लिए किया जाता है। जैसे सूर्य नमस्कार, चन्द्र नमस्कार, सागर नमस्कार इत्यादि| जबकि 'नमस्ते' अर्थात नमस्तुभ्यं एक सम्मानसूचक शब्द है। जिसका अर्थ है - नमन तुमको/आपको तो चेतन (सजीव) के लिए प्रयोग किये जाते हैं। इसलिए नमस्कार त्यागें और नमस्ते शब्द का ही प्रयोग करें।

हाथ जोड़कर नमस्ते करने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी माना जाता है।

इससे हृदयचक्र और आज्ञाचक्र सक्रिय होता है और शरीर में सकारात्मक उर्जा का तेजी से संचार होता है जिससें मानसिक शांति मिलती है और आत्मबल प्राप्त होता है।

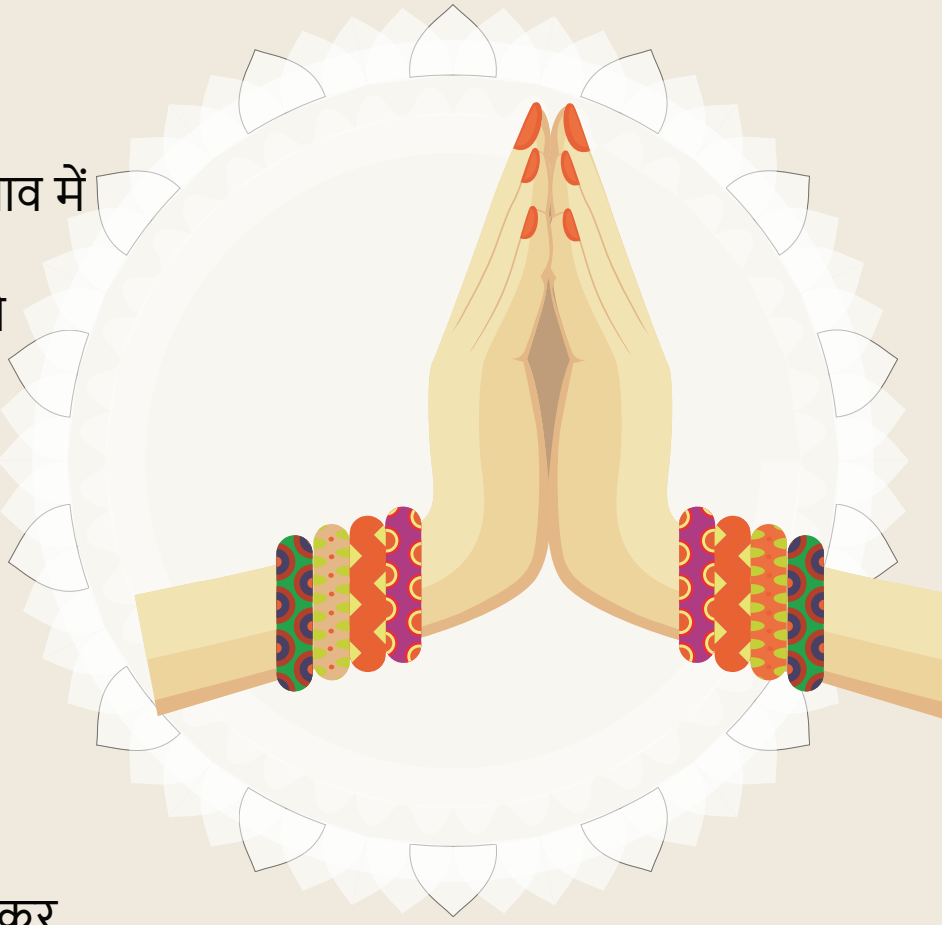

इससे क्रोध पर नियंत्रण बढ़ता है और स्वभाव में विनम्रता आती है। इसलिए हाय-हेलो की बजाय नमस्ते को हर तरह से लाभदायक बताया गया है।
'नमस्ते' सम्पूर्ण भारत का सर्वाधिक प्रयुक्त तथा लोकप्रिय अभिवादन है। अधिकतर समय, जैसे ही लोगों को आपके भारतीय होने की जानकारी प्राप्त होती है, वे अपने हाथ जोड़कर, नमस्ते द्वारा आपका अभिवादन करते हैं।

***- By Ajay Poddar Anmol***

# हमारे पर्व, हमारे सौभाग्य

## अप्रैल 2022: व्रत एवं त्यौहार

**1 अप्रैल, शुक्रवार**: चैत्र अमावस्या

**2 अप्रैल, शनिवार**: चैत्र नवरात्रि, उगाडी, घटस्थापना, गुड़ी पड़वा

**10 अप्रैल,रविवार**: **राम नवमी**, रामनवमी का त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी मनाया जाता है। हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन मर्यादा-पुरूषोत्तम भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ था।

**12 अप्रैल, मंगलवार: कामदा एकादशी**, कामदा एकादशी के दिन भगवान वासुदेव का पूजन किया जाता है। इस एकादशी व्रत को भगवान विष्णु का उत्तम व्रत कहा गया है। इस व्रत के प्रभाव से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है और पापों का नाश होता है।

**14 अप्रैल, सोमवार**: **प्रदोष व्रत (शुक्ल), मेष संक्रांति,** प्रदोष व्रत हर महीने की त्रयोदशी तिथि पर आता है. बता दें कि हर महीने दो बार प्रदोष व्रत आता है. एक कृष्ण पक्ष में और दूसरा शुक्ल पक्ष में. प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और उनके पूरे परिवार का विधि-विधान से पूजन किया जाता है. इस दिन शनि देव की भी पूजा-अर्चना की जाती है.

# हमारे पर्व, हमारे सौभाग्य

**16 अप्रैल, शनिवार: हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा व्रत,** चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन को हनुमान जयंती के नाम से भी जानते हैं। शास्त्रों के अनुसार, हनुमान जन्मोत्सव कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी और चैत्र शुक्ल पूर्णिमा दोनों दिन मनाया जाता है

**19 अप्रैल, मंगलवार: संकष्टी चतुर्थी**

**26 अप्रैल, मंगलवार: वरुथिनी एकादशी**

**28 अप्रैल, गुरुवार: प्रदोष व्रत (कृष्ण)**

**29 अप्रैल, शुक्रवार: मासिक शिवरात्रि,** पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महादेव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे, लेकिन तब से हर माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का दिन शिव पूजा के लिए समर्पित हो गया. इस तरह हर माह आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है.

**30 अप्रैल, शनिवार: वैशाख अमावस्या**

# Law: IPC 268

Amar, 10 years old, was sitting on the floor in the corridor of 5th floor. With him, there were some 20 odd toys of Chota bheem, Hanuman, cars, balls, etc. spread on the ground.

Neighboring flat dadaji came out of lift and was shocked to see Amar sitting on the floor and blocking the path.

"Are..Amar beta. What happened? Why are you sitting here with all these toys!?"

"Dadaji, I am sitting on a dharna!" announced Amar.
"What!" it shocked Dadaji, to hear such a big word from the child's mouth.
"What for?" he tried to enquire.

"My Ma is not ordering pizza online. She is saying it's Corona virus time, so eat home cooked food," bluntly came the reply from Amar.

“Oh! That’s for your health. But what will happen if you sit here like this?” Dadaji was trying to understand.

“I went to Noida in car with Papa before lockdown. There was a huge traffic jam and Papa said it was because farmers were doing dharna for something they want. I also want pizza so I thought I too should do the same,” the kid explained the logic.

“Ooh..beta. But, didn’t you see lots of police there? It is illegal to do such dharnas if you are causing any inconvenience to others!” Dadaji sat next to him to explain.
“Illegal?” Amar was a bit scared.

“Yes! We have laws in our country that allow people to protest or do dharna for their good causes, but they should in no way cause any inconvenience to others. It is called Indian Penal Code Section 268!” Dadaji explained and showed his toys and said, “See, you are sitting in the corridor and blocking the path of others. Is it not wrong?”

**“Hmm.. will police arrest me also?” Amar was suspicious.**

**“No beta. But, if any one complains, since you are a kid, they may warn you like a teacher, not to do such things again outside your home. C’mon, lets take all these toys inside your room, before anyone complains!”**

**“Hey Bhagwan this Section 268! Isn’t there any section to order Ma to buy me pizza,” Amar cribbed.**

**“Haha.. come to Dadi. She will make a pizza. I will deliver it to your home just like online order. Your Ma wont complain,” Dadaji solved his problem.**
**“Haan..this is nice! We can call it Dadu’s Pizza!,” Amar was excited. “But Dadaji, if those people on the Noida border can do dharna and cause traffic jams, why shouldn’t I?” he couldn’t control his curiosity.**

**“Beta, If someone is stealing, knowing that it is not right, will you still do it?” Dadaji’s counter-question answered Amar. Smilingly, they collected the toys and went to Dadi, to order a home made pizza.**

# जम्बुद्वीप

## मायाजाल

**Introducing Lachit, your average teenager – Uh uh Think again.**
**An extra-ordinary teenager. Yeah he can do magic – Real Magic!**

**Read the first episode of Jambudweep- Mayajaal**
**and get mesmerized by the magical prowess of Lachit.**

अरे वाह!
आज का दिन कितना सुहाना है।देखते हैं,आज यह गाँव कौन से नए राज़ खोलता हैं।
द्वारका
कितना प्यारा गाँव है यह!
ये साफ और सुंदर वातावरण।
द्वारका
अरे!यह
छोटा बच्चा क्यों रो रहा है? चलो
इस के पास जाकर
इस से पूछते हैं।
क्या हुआ?
तुम क्यों रो रहे
हो?
भैया,मेरी माँ बीमार हैं।
वैद्य गाँव में नहीं हैं। मेरे पास
चिकित्सा के भी पैसे
नहीं हैं।
क्या
तुम जादू में
विश्वास करते
हो बच्चे?
हाँ !
तुम्हें
इसमें कुछ दिख
रहा है क्या?
?
नहीं ,यह
तो खाली है।

अहं ब्रह्मास्मि!
इतनी सारी औषधि, फल ? भैया आप जादूगर हो क्या? अब तो मेरी माँ जल्दी ही ठीक हो जाएगी।
देवियों और सज्जनों !
आपकी ज़िन्दगी को रंगने आया हूं मै।
ये लो पेट भर के खा लो।

# जम्बुद्वीप

के अगले संस्करण का इंतज़ार करे|

**सुभाष और समृद्धि**

द्वारा लिखित

# Devabhasha - The language of the Gods

**Sanskrit was the prominent language in Bharat before the invasion of the Arabs. Do you know that according to Forbes Magazine Sanskrit is the most computer friendly language? It is the oldest language in the world . Not only this, it increases brain power too. Isn't it fun knowing so many facts about the culture and language we have originated from?**

**Mukesh, Ratan, Parminder, Dibyendu and Amrit went to Darshika's house for her birthday party . They all greeted her in Sanskrit language .**

**Mukesh : जन्मदिनशुभेच्छा:**
**(Janmadin shubhecha)**
**अर्थ – जन्म दिवसकी ढेर सारी शुभकामनाएँ**

**.Amrit : शुभं जन्मदिनम्**
**(Shubham Janamdinam)**
**अर्थ - जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ**

**.Ratan : दीघयियरोग्ययस्तु**
**( Dighyiyarogyayastu )**
**अर्थ – आप दीर्घायु हों और आरोग्य रहें।**

**Parminder : जन्मदिवसस्य हार्दिक्य: शुभकामना:**
**( Janmadivasasya hardikyah shubhakamnah )**
**अर्थ – जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ**

**Dibyendu : त्वं जीव शतं वर्धमान:**
**(Tvaha jeeva shatam vardhamanah)**
**अर्थ – तुम सौ साल जिओ**

Darshika's dadaji was very pleased and he too greeted Darshika in Sanskrit :

दीर्घायुरारोग्यमस्तु
सुयशः भवतु
विजयः भवतु
जन्मदिनशुभेच्छाः।।
( Deerghayurarogyamastu
Suyashah bhavatu
Vijayah bhavatu
Janmadinsubhechcha )

# LAUGHTER INCREASES BLOOD, LAUGH OUT LOUD

**छात्र (अध्यापक से)- सब लोग हिंदी-इंग्लिश में बोलते हैं, गणित में क्यों नही बोलते?**

**अध्यापक (छात्र से)- ज्यादा 3-5 ना कर 9-2-11 हो ले, नहीं तो 4-5 धर दूंगा तो 6 का 36 दिखने लगेगा**

**********

**एक बच्चे से एक आदमी ने पूछा- बेटे आपके पापा का क्या नाम है?**

**बच्चा- अंकल अभी उनका नाम नहीं रखा, बस प्यार से पापा-पापा कहता हूं**

**********

**बेटे को डांटते हुए पिता बोले: अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं**

**हैरान बेटा बोला: लेकिन पापा भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है**

# LAUGHTER INCREASES BLOOD, LAUGH OUT LOUD

**एक बच्चे ने कहा – मैंने आपकी लिखी पुस्तक पढ़ी है | आप तो बिलकुल अकबर बादशाह की तरह लिखते हैं**

**आदमी ने कहा – लेकिन अकबर बादशाह लिखना नहीं जानते थे**

**बच्चे ने कहा – तभी तो !**

**Q. What's worse than finding a worm in your apple?**
**A. Finding half a worm in your apple!**

**Q. How does the moon cut his hair?**
**A. Eclipse it!**

**Q. What did the duck say after she bought chapstick?**
**A. Put it on my bill!**

**Q. What do you do when a lemon gets sick?**
**A. You give it lemon-aid.**

# GAME

**Can you guess their Birth Places? Name them and find it on the map.**

1. Shri Ram
2. Mata Sita
3. Shri Krishna
4. Rishi Kashyap
5. Shri Hanuman
6. Shri Damodardas Modi
7. Swami Vivekananda
8. Guru nanak Dev
9. Subhas Chandra Bose
10. Gautam Buddha

**Editor-in-Chief: Kirti Goenka**
**Co-Editor: Sangeeta Kapoor**
**Designer: Renu**

**Contact us at**
**Website: www.sohamasmi.com**
**Email: asmisohm@gmail.com**
**Facebook: Yahvi Children's magazine**

**copyright @sohmasmi LLP**